NSC has not formulated any plan in this regard. However, under the National Seeds Programme, NSC has designed processing plants to be set up by the various State Seeds Corporations as follows:—

Name of the state seeds Corporation	Location of processing plant	Capacity (Metric tonnes)	Crops to be handled
1	2	3	4
1. Haryana seeds Development Corporation	Umri Hisar	10,000	Cereals
		5,000	Cereals
		1,000	Cotton
	Sirsa	5,000	Cereals
2. Maharashtra State Seeds Corporation	Akola	5,000	Cereals
		35,000	Cotton
		5,000	Cereals
	Parbani	2,500	Cotton
3. Andhra Pradesh State Seeds Development Corporation	Nizamabad	5,000	Cereals
	Srikalahasti	5,000	Cereals
4. Punjab State Seeds Corporation	Kartarpur	5,000	Cereals
	Ludhiana	8,000	Cereals
	Kotkapura	5,000	Cereals
		1,000	Cotton
5. Bihar Rajya Beej Nigam	Kudra	8,500	Cereals
		9,000	Potato (cold storage)
6. Karnataka State Seeds Corporation	Chickbalapur	5,000	Cereals
		1,000	Potato (cold storage)
	Davengere (Harihar)	3,000	Cereals
7. Orissa State Seeds Corporation	Baragarh	5,000	Cereals
8. Rajasthan State Seeds Corporation	Suratgarh Sriganganagar Kota	5,000	Cereals
		5,000	Cereals
		5,000	Cereals

(c) No, Sir. NSC has not entered into any contract with any international firm producing quality seeds for the purpose of understanding their latest techniques and processes.

(d) There is no such proposal at present. However, as consultant to the State Seeds Corporations for designing and installation of processing plants, the NSC is introducing improvements by way of putting up modern processing plants.

Export and Import of Seeds by National Seeds Corporation

8881. SHRI S. M. KRISHNA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the seeds produced by the National Seeds Corporation at its

processing plants favourably compare to the international standard and are considered suitable for export purposes;

(b) if not, the reasons therefor and what is the deficiency and how the NSC propose to improve its quality;

(c) whether the NSC has imported any high quality seeds;

(d) if so, the country of import and the variety thereof and the quantity imported during the last three years ending 31st March, 1981; and

(e) how the quality of these goods compare with that produced by the National Seeds Corporation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir. The seeds produced at the processing plants compare favourably to the international standards and are considered suitable for export purposes.

(b) Does not arise.

(c) The NSC has not imported any seed for distribution within the country during the last three years ending 31-3-1981.

(d) and (e). Do not arise.

केन्द्रीय भेड़ तथा ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर के कर्मचारियों के बच्चों के लिए शिक्षा की सुविधा

8882. **श्री चतुर्भुज** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में अविकानगर स्थित केन्द्रीय भेड़ तथा ऊन अनुसंधान संस्थान, जयपुर से 85 किलोमीटर दूर स्थित है ;

(ख) यदि हां, तो इस संस्थान में काम कर रहे वैज्ञानिकों के बच्चों की शिक्षा के लिए वहां क्या व्यवस्था की गई है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि यह अनुसंधान कार्य में लगे वैज्ञानिकों को कोई परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं है ;

(घ) यदि हां, तो क्या इन्हें परिवहन सुविधा देने के लिए मीटर गेज लाइन पर एक अस्थायी स्टेशन बनाने और बस सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कृषि और ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन) : (क) जी हां, श्रीमान ।

(ख) वहां परिसर में एक प्राथमिक विद्यालय है जिसका स्तर अब 8 वीं तक बढ़ा दिया गया है तथा अब राज्य सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा चलाया जा रहा है मालपुरा में लड़कों के लिए एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा लड़कियों के लिए हाई स्कूल भी है जो परिसर से 8 किलोमीटर की दूरी पर है वास्तविक परिचालन अधिभार के आधार पर परिवहन व्यवस्था की गई है ।

(ग) जी नहीं, श्रीमान् मालपुरा में रह रहे कर्मचारियों को परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हैं । इस प्रयोजन लिए संस्थान की मिनी बस प्रयोग में लायी जा रही है । यदि आवश्यकता हुई तो छठी पंचवर्षीय योजना के प्रावधानों में से परिवहन सुविधाएं और भी बढ़ा दी जायेंगी ।

(घ) तथा (ङ). संस्थान की सेवा हेतु संस्थान के परिसर में पहले से ही मीटर गेज पर एक फ्लैग स्टेशन है ।